स्वदेशी अर्थशास्त्रम्

SWADESHI ARTHSHASTRAM

A FORTNIGHTLY NEWSLETTER 16th to 28th February, 2026

स्वदेशी शोध संस्थान
धर्मस्य मूलं अर्थः

Economics & more...

Special Article

India AI Impact Summit 2026

- Mugunthan Soundararajan,
Founder & CEO - XPRUS Consulting Services

The India AI Impact Summit 2026, held February 16–20 at Bharat Mandapam, New Delhi (with the Declaration signed Feb 21), was the fourth in the global AI summit series (following Bletchley Park 2023, Seoul 2024, and Paris 2025) and the FIRST hosted by a Global South nation — a signal in itself. It brought together 20+ heads of government, 59 ministerial representatives from 100+ countries, and 3,250+ speakers across hundreds of sessions.

Read More...

News at a glance...

UPI link, 50,000 worker quota, AI cooperation: India, Israel unveil 27 bilateral agreements as PM's visit concludes
Read more...

AI talent demand outstripping supply
Read more...

India's exports to touch $ 2 trillion by 2032-33: Goyal
Read more...

FY26 tech revenue to grow 6.1% to hit $315 bn: Nasscom
Read more...

Green financing gets fillip in Gift City
Read more...

Yes Bank flags forex card fraud: $0.28 mn approved, $0.1 mn blocked, restricts e-commerce from 1 LatAm nation
Read more...

SBI Mutual Fund gets RBI nod to acquire up to 9.99% stake in Bandhan Bank, RBL Bank
Read more...

After Gujarat, CBDC food subsidy pilot launched in Puducherry
Read more...

Research Article

China's Tibet Policy and Its Strategic Implications for India

- By Dr. Reeta

China's Tibet policy is fundamentally shaped by its commitment to sovereignty, territorial integrity, and regime security. Since the incorporation of Tibet into the People's Republic of China in 1951 and the establishment of the Tibet Autonomous Region in 1965, Beijing has pursued a strategy combining political control, economic integration, demographic management, and military consolidation.

Read More...

More Updates

PM Modi to open Micron's semiconductor fabrication plant in Gujarat – Big boost for local jobs via Sanand facility
Read more...

Indian Railways clears ₹872 crore mega push in 3 states to cut delays, add trains, boost freight
Read more...

Vayushakti-26: Full-spectrum air power on display as IAF validates combat readiness in drill
Read more...

PM calls AI Impact Summit a 'turning point', spotlights India's AI models
Read more...

सफलता की कहानी

श्री सनतानू सूत्रधार - दिशा एंटरप्राइजेज : एक्सपोर्ट की नौकरी छोड़कर स्वयं बने हैंडीक्राफ्ट के एक्सपोर्टर।

श्री सनतानु सूत्रधार जी बताते हैं कि उनके परिवार में व्यापार का चलन नहीं था। उनके पिताजी एक जुडिशल ऑफिसर थे जिसके कारण उन पर भी नौकरी करने का एक पारिवारिक प्रेशर था। परंतु उनके भाग्य में कुछ और लिखा था। हालाकि पढ़ाई करने के पश्चात उन्होंने सन 1997 में दिल्ली में एक्सपोर्ट कंपनी में नौकरी भी की। कुछ साल एक्सपोर्ट का तजुर्बा लेने के पश्चात उन्हें एहसास हुआ कि एक्सपोर्ट में हैंडमेड कारीगरी से बने हुए हैंडीक्राफ्ट्स के सामानों की बहुत डिमांड है। मूलत वह असम के करीमगंज क्लस्टर के परिमल जिला के निवासी थे। वह अपने आसपास के हैंडीक्राफ्ट के कार्य से भली-भाति परिचित थे। असम में बैंत के बने हुए हैंडीक्राफ्ट बनाए एवं बहुत ही पसंद किए जाते हैं। जब उन्होंने नौकरी के दौरान देखा कि इसकी विदेश में बहुत डिमांड है तब उन्होंने इसी का व्यापार करने का सोचा एवं दिल्ली की नौकरी छोड़कर वापस अपने गांव आ गए।

परिवार वाले उनके फैसले से खुश नहीं थे परंतु वह अपनी धुन के पक्के थे। उन्होंने अपने साथ कलाकारों को जोड़ना शुरु कर दिया। उन्हें अपना व्यापार शुरू करने के लिए कई समस्याओं से गुजरना पड़ा। सबसे बड़ी समस्या थी उनके छोटे से गांव से एक्सपोर्ट करना। उन दिनों एक्सपोर्ट करना भी आज के समय से अधिक चुनौती भरा कार्य होता था। उनका गांव चुकी बांग्लादेश की बॉर्डर के साथ लगता था, अत्यंत ही इंटीरियर जोन में था। जिस वजह से वहां पर ना तो सड़क, ना ही रेलवे का गुवाहाटी से सीधा संपर्क था। एक्सपोर्ट करने के लिए उन्हें सर्वप्रथम गुवाहाटी जाना पड़ता और फिर आगे से वहां उन्हें लिंक जोड़नी पड़ती। वह बताते हैं कि उन दिनों बैंक से उन्हें कोई भी मदद नहीं मिलती थी। हैंडीक्राफ्ट के कार्य की कोई मानता नहीं थी। सर्वप्रथम उन्होंने कलाकारों से एक्सपोर्ट क्वालिटी के बेहतरीन गुणवत्ता वाले उत्पादक बनवाए जिसके लिए उन्होंने उन्हें ट्रेनिंग भी दी। उसके पश्चात गुवाहाटी जाकर उन्हें एक्सपोर्ट किया।

उनका पहला एक्सपोर्ट ऑर्डर उन्हें 2009 में नीदरलैंड्स का मिला था। वह बताते हैं कि उनका व्यापार 'दिशा एंटरप्राइजेज' से वहां के कारीगरों के जीवन पर एक सकारात्मक असर हुआ है। वह उन सभी कारीगरों को गवर्नमेंट से आर्टीशन कार्ड लेकर मोहईया कराते हैं,जिससे उन्हें अनेक सुविधाऐं मिलती हैं। उन्हें यह सोच कर खुशी होती है कि हैंडीक्राफ्ट असम का पुराना काम है और एक्सपोर्ट के माध्यम से उस कार्य को बढ़ावा मिलता है। वरना वह समय के साथ विलुप्त हो जाता। साडे पाँच सो कलाकार उनके साथ जुड़े हुए हैं जिसमें अधिकतर महिलाएं हैं एवं सालाना टर्नओवर करीब डेड से दो करोड़ के आसपास है।

SSS EVENT

On February 23, 2026, Swadeshi Jagran Manch, Delhi Prant, organized an insightful "Pre-Budget Discussion for the Delhi Government" (दिल्ली सरकार के बजट पूर्व चर्चा) at the Swadeshi Shodh Sansthan.

The event united leading Chartered Accountants, advocates, academicians, and social workers to brainstorm actionable suggestions for the upcoming state budget.

We were honored to host Ms. Sonali Jha, Founder & CEO of Cunomial, for an incredibly engaging interactive lecture at Swadeshi Shodh Sansthan.

As a distinguished entrepreneur, expert in Genomics research, and a Genius World Record achiever, Ms. Jha brought a unique blend of technical expertise and visionary leadership to the room.

स्वदेशी विचार

The idea of Swadeshi is not merely to boycott foreign goods but to awaken the dormant strength of our villages.

~ Rabindranath Tagore

Our Social Media:

Editorial Board

Chief Editor : Prof. Raj K Mittal

Editor : Prof. Sunita Bharatwal

Co-Editor : Dr. Amit Kumar

Section Editor : Ms. Urshita Bansal

Technical & Design : Mr. Naman Kashyap